Result Mitra Daily Magazine

शतरंज में भारत का वर्चस्व

❖ हालिया संदर्भ :

- हंगरी के बुडापेस्ट में संपन्न हुए 45वें शतरंज ओलंपियाड के पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में भारत ने स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया।
- ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने दोनों कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता हो।

❖ शतरंज टीम :

- पुरुष टीम में वर्ल्ड चैंपियनशिप चैलेंजर डी. गुकेश के अलावा अर्जुन एरिगैसी एवं आर. प्रग्नानंद शामिल थे। इसके अलावा विदित गुजराती, श्रीनाथ नारायणन एवं पेंटाला हरिकृष्णा भी पुरुष टीम का हिस्सा थे।
- महिला टीम में हरिका द्रोणावल्ली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल, वैशाली रमेश बाबू, अभिजीत कुंटे एवं तानिया सचदेव शामिल थी।
- दोनों कैटेगरी में भारत ने 4 व्यक्तिगत और 3 स्वर्ण टीम पदक जीता।
- पुरुष टीम की कप्तानी श्रीनाथ नारायण जबकि महिला टीम की कप्तानी अभिजीत कुंटे कर रही थी।

❖ पथ–प्रदर्शन :

- भारत में शतरंज की कहानी भारत के पहले ग्रैंडमास्टर (GM) विश्वनाथन आनंद से शुरू होती है।
- आनंद से लेकर वर्तमान पीढ़ी तक में एक विशिष्ट पहलू यह है कि वर्तमान के कई GM ने शुरुआती दौर से कोचिंग प्रारंभ कर युवाओं का पथ–प्रदर्शन किया।
- विष्णु प्रसन्ना एवं विदित गुजराती 2013 में GM बने, लेकिन सिर्फ 4 वर्ष बाद डी. गुकेश के शुरुआती कोच बने।
- डी. गुकेश को ऐतिहासिक रूप से सबसे युवा GM बनाने में विष्णु प्रसन्ना का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

❖ WACA :

- कोविड महामारी के दौरान आनंद ने वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी (WACA) की स्थापना की, जिसमें उन्होंने गुकेश, प्राग, अर्जुन एवं वैशाली को कोचिंग दी।
- WACA में आनंद के साथी खिलाड़ियों ने कोचिंग दी।
- पोलैंड के GM ग्रेजगोरेज गजेवस्की ने ओपनिंग थ्योरी सिखाई, रूसी GM आर्टूर युसुपोव ने एंडगेम्स सिखाए, संदीपन चंदा ने मिड–गेम गुर सिखाए एवं बोरिस गेलफैंड ने पेंटरिंग की।

❖ सरकारी समर्थन :

- सरकार द्वारा 10 खिलाड़ियों के साथ एक विस्तृत सपोर्ट स्टॉफ की टीम भी भेजी गई थी।
- दूसरी कई टीम बिना सपोर्ट स्टॉफ के आई थी, लेकिन भारतीय दल के साथ 4–5 कोच एवं मेंटर भी थे, जिसका लाभ भारतीय दल को प्राप्त हुआ।

- भारत की इस सफलता में सरकारी समर्थन और खेल को करियर के रूप में देखने वाले युवाओं का भी महत्व है।

❖ शतरंज ओलंपियाड :

- यह एक द्विवार्षिक वैश्विक आयोजन है, जिसका आयोजन FIDE (अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ) द्वारा किया जाता है।
- पहला ओलंपियाड 1924 में ग्रीष्म ओलंपिक के साथ-साथ पेरिस में आयोजित हुआ था, जो पहला अनौपचारिक आयोजन था।
- FIDE द्वारा पहला औपचारिक ओलंपियाड 1927 में लंदन में आयोजित किया गया था।
- 1950 तक ओलंपियाड का आयोजन अनियमित रूप से 1–2 वर्ष पर आयोजित किया जाता रहा, लेकिन 1950 से यह प्रति दो वर्ष पर आयोजित होता है।
- 44 वां ओलंपियाड, चेन्नई में आयोजित किया गया था।
- 2020 एवं 2021 में FIDE द्वारा ऑनलाइन ओलंपियाड का आयोजन किया गया था।
- 2024 के ओलिंपियाड में 180 देशों ने भाग लिया था।

  Note: भारतीय टीम ने ओपन सेक्शन में स्वर्ण पदक जीता, जिसके लिए विजेता को हैमिल्टन–रसेल कप दिया जाता है।

- दरअसल प्रथम ओलंपियाड (लंदन) में फ्रेडरिक हैमिल्टन–रसेल ने ही पुरस्कार पेश किया था।

❖ विश्व शतरंज चैंपियनशिप :

- यह चैंपियनशिप विश्व चैंपियन शतरंज खिलाड़ी घोषित करने के लिए आयोजित की जाती है।

Result Mitra

- आधिकारिक विश्व शतरंज में चैंपियनशिप 1886 में शुरू हुआ था, जब यूरोप एवं USA के दो प्रमुख शतरंज खिलाड़ी जोहान जुकेर्तोते एवं विल्हेम स्टेनिज ने मैच खेला था।
- भारत के विश्वनाथन आनंद 2007 में विश्व शतरंज चैंपियन बने तथा 2013 तक उन्होंने इस बरकरार रखा लेकिन 2013 में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन ने यह खिताब अपने नाम किया, जो अब तक खिताब अपने नाम किए हुए हैं।

❖ ग्रैंड मास्टर (GM) :

- यह FIDE द्वारा शतरंज खिलाड़ी को दिया जाने वाला एक टाइटल है।
- विश्व चैंपियन के बाद यह शतरंज क्षेत्र में दूसरी सर्वोच्च उपाधि है।
- GM बनने के लिए एक खिलाड़ी को 2500 या इससे ज्यादा FIDE रेटिंग प्राप्त करना होता है, साथ ही 3 GM नॉर्म्स भी पाने होते हैं, जो खिलाड़ी को नॉर्म टूर्नामेंट में खेलने से प्राप्त होता है।

❖ FIDE :

- यह शतरंज से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो विभिन्न शतरंज चैंपियनशिप आयोजित कराने के लिए सर्वोच्च निकाय है।
- इसकी स्थापना 1924 में हुई थी एवं 1999 में इसे अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा मान्यता दी गई।
- इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड में है।

Result Mitra